Bachelor of Arts (Honours) Hindi under CBCS
PATNA UNIVERSITY, PATNA

Programme Code:

Programme Outcomes

At the completion of the programme, students will attain the ability to:

PO1: हिन्दी भाषा–साहित्य के ऐतिहासिक विकास से संपूर्णता में परिचित होंगे
PO2: अपनी भाषा–साहित्य के प्रति आपमें जागरूकता पैदा होगी
PO3: भारत की सामासिक संस्कृति के विकास में हिन्दी भाषा–साहित्य की भूमिका से परिचित होंगे
PO4: हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य के आपसी संबंधों को समझ सकेंगे

Programme Specific Outcomes

At the completion of the programme, students will attain the ability to:

PSO1: हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं की रचनाओं के पाठ से आपकी मानवीय संवेदना का विकास होगा
PSO2: भाषिक चिंतन की प्राचीन भारतीय परंपरा के साथ उसके अद्यतन विकास की जानकारी होगी
PSO3: साहित्यिक विधाओं की प्रकृति के साथ विभिन्न विधाओं के अन्तस्संबंध और अंतर को पहचान सकेंगे
PSO4: बिहारी बोलियों और बिहार के कवि–लेखकों का विशेष परिचय प्राप्त कर सकेंगे

Course Structure

Semester-I

Sl.No.	NameofCourse	Type ofCourse	L-T-P	Credit	Marks
1.	HindiSahityaKaItihas(ReetikaalTak)	CC-1	6-1-0	6	100
2.	AdiKaleen and MadhyaKaleenHindiKavita	CC-2	6-1-0	6	100
3.	EnglishCommunication/MIL	AECC-I	2-1-0	2	100
4.	GenericElective-1	GE-1	6-1-0	6	100
					TotalCredit- 20

Semester-II

Sl.No.	NameofCourse	Type ofCourse	L-T-P	Credit	Marks
1.	HindiSahityakaItihas(AdhunikKaal)	CC-3	6-1-0	6	100
2.	AdhunikHindiKavita(ChhayavaadTak)	CC-4	6-1-0	6	100
3.	EnvironmentalScience	AECC-II	2-1-0	2	100
4.	GenericElective-2	GE-2	6-1-0	6	100
					TotalCredit- 20

Semester-III

Sl.No.	NameofCourse	Type ofCourse	L-T-P	Credit	Marks
1.	ChhayavadottarHindiKavita	CC-5	6-1-0	6	100
2.	BhartiyaAurPaschatya Kavyashastra	CC-6	6-1-0	6	100
3.	HindiKiSahityikVidhayen:UdhbhavAur Vikas	CC-7	6-1-0	6	100
4.	SkillEnhancementCourse-1	SEC-1	2-1-0	2	100
5.	GenericElective-3	GE-3	6-1-0	6	100
					TotalCredit-26

Semester-IV

Sl.No.	NameofCourse	Type ofCourse	L-T-P	Credit	Marks
1.	HindiBhasha:UdhbhavAurVikas	CC-8	6-1-0	6	100
2.	HindiUpanyas	CC-9	6-1-0	6	100
3.	HindiKahani	CC-10	6-1-0	6	100
4.	SkillEnhancement Course-2	SEC-2	2-1-0	2	100
5.	GenericElective-4	GE-4	6-1-0	6	100
					TotalCredit-26

Semester-V

Sl.No.	NameofCourse	Type ofCourse	L-T-P	Credit	Marks
1.	HindiNatakEvamRangmanch	CC-11	6-1-0	6	100
2.	HindiNivandhaAurAnyaGadyaVidhayein	CC-12	6-1-0	6	100
3.	DisciplineSpecificElective-1	DSE-1	6-1-0	6	100
4.	DisciplineSpecificElective-2	DSE-2	6-1-0	6	100
					TotalCredit-24

Semester-VI

Sl.No.	NameofCourse	Type ofCourse	L-T-P	Credit	Marks

1.	HindiKiSahityikPatrakarita	CC-13	6-1-0	6	100
2.	PrayojanmulakHindi	CC-14	6-1-0	6	100
3.	DisciplineSpecificElective-3	DSE-3	6-1-0	6	100
4.	Discipline SpecificEletive-4(Dissertation/ProjectWork)	DSE-4	0-0-6	6	100
					TotalCredit-24

TotalCredit=140

***L/T/P: number of classes per week**

Discipline Specific Elective Course (DSE):

Course name	L-T-P
1 लोक साहित्य	6-1-0
2. अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	6-1-0
3. प्रवासी साहित्य	6-1-0
4. राष्ट्रीय काव्यधारा	6-1-0
5. छायावाद	6-1-0
6. तुलसीदास	6-1-0
7. प्रेमचंद	6-1-0
8. फणीश्वरनाथ रेणु	6-1-0
9. रामधारी सिंह दिनकर	6-1-0
10. DISSERTATION/PROJECT WORK	0-0-6
उपर्युक्त में से कोई चार पाठ्यक्रम	

Generic Elective (GE):

For Hindi Students		For Other Students	
Course name	L-T-P	Course name	L-T-P
		1.लोक साहित्य 2. फणीश्वरनाथ रेणु	6-1-0 6-1-0

Skill Enhancement Courses (SEC):

SEMESTER – I

CC1 :हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल तक

Course Outcomes

After the completion of the course, the students will be able to:

CO1: आदिकालीन और मध्यकालीन साहित्य की विभिन्न ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझ सकेंगे

CO2: आदिकालीन और मध्यकालीन साहित्य के स्वरूप को आत्मसात कर सकेंगे

CO3: दोनों काल के वैशिष्ट्य के साथ अन्तस्संबंध और अंतर्विरोधों को समझ सकेंगे

CC1 :हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल तक (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	• आदिकालीन साहित्यः नामकरण और काल निर्धारण • आदिकालीन साहित्य की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक पृष्ठभूमि	08
2	• आदिकालीन काव्य के विभिन्न रूपों का समीक्षात्मक परिचय – सिद्ध–जैन काव्य, रासो काव्य, लौकिक काव्य एवं अन्य काव्य। आदिकलीन काव्य की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ एवं प्रवृत्तियाँ	16
3	• भक्तिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि • भक्तिकालीन काव्य के दार्शनिक आधार	06
4	• भक्तिकालीन काव्य की प्रमुख धाराएँ और प्रवृत्तियाँ, उनके आपसी संबंध और वैशिष्ट्य	14
5	• रीतिकालीन काव्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, नामकरण, काल–निर्धारण • रीतिकालीन काव्य की विभिन्न धाराएँ	06
6	• रीतिकालीन काव्य की विशेषताएँ और प्रवृत्तियाँ • आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य का समग्र मूल्यांकन	10
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :–

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिंदी साहित्य का इतिहास : संपादक, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

CC2 :आधुनिक–पूर्व हिंदी कविता : आदिकाल से रीतिकाल तक

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: हिंदी के आदिकाल से रीतिकाल तक के विशिष्ट कवियों का पाठगत अध्ययन कर सकेंगे
CO2: इस दौर के कवियों के पाठगत अध्ययन से हिंदी कविता के वैविध्य से परिचित होंगे
CO3: उस युग के ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक यथार्थ से कविता के संबंध की व्याख्या कर सकेंगे
CO4: कविताओं के पाठगत अध्ययन से आपकी संवेदना का विकास होगा

CC2 :आधुनिक–पूर्व हिंदी कविता : आदिकाल से रीतिकाल तक (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	• **विद्यापति** (पदावली, सम्पादक : रामवृक्ष बेनीपुरी) (क) देख–देख राधा रूप अपार .... (2) (ख) जय जय भैरवि .... (3) (ग) सैसव जौवन दुहु मिलि गेल .... (4) (घ) कामिनि करए सनाने .... (23) (ङ) ए सखि पेखलि एक अपरूप .....(36) (च) कुंज भवन सएँ निकसलि रे .... (59) (छ) तातल सैकत बार–बिदु सम .... (254) • **कबीर** (ग्रंथावली, सं. बाबू श्यामसुंदर दास) (क) ऐसा भेद बिगूचन भारी .... (47) (ख) अकथ कहानी प्रेम की ..... (156) (ग) लोका मति के भोरा रे ..... (402)	11
2	• **मलिक मुहम्मद जायसी** (पद्मावत, सं. वासुदेवशरण अग्रवाल) (क) मानसरोदक खण्ड (ख) नागमती संदेश खण्ड • **सूरदास** (श्रीकृष्ण बाल–माधुरी, गीता प्रेस, गोरखपुर) (क) कहन लागे मोहन मैया–मैया .... (88) (ख) देखौ माई! कान्ह हिलकियानी रोवै ..... (229) (ग) मैया! हौं गाइ चरावन जैहों ..... (281)	11
3	• **तुलसीदास** (कवितावली, काशी नागरी प्रचारिणी सभा) (क) अवधेश के द्वारे सकारे गए .... (बालकाण्ड) (ख) पात भरी सहरी, सकल सुत बारे–बारे .... (अयोध्याकाण्ड, 8) (ग) संकर–सहर सर, नरनारि बारिचर...(काशी में महामारी, 176 और 177) रामचरितमानस(अयोध्याकांड), गीता प्रेस, गोरखपुरः दोहा सं. 252से 269 और 303 से 308	12
4	• **रहीम** (रहीम ग्रंथावली, खण्ड चार) (क) बरवै संख्या 10 से 30 तक • **मीराँबाई**की पदावली, सं. परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग पद सं. 3, 17,19, 32, 36, 38, 46, 53, 70, 116	08
5	• **बिहारी** (बिहारी रत्नाकर, सं. श्री जगन्नाथदास रत्नाकर) दोहा संख्या 1, 8, 16, 20, 32, 35, 38, 51, 63, 67, 69, 70, 73, 78, 84, 94, 121, 141, 143, 182, 255, 299, 301, 420, 663	06
6	• **घनानंद** (घनानंद कबित्त, भूमिका : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) (क) भये अति निठुर, मिटाय पहचानि डारी .... (7) (ख) हीन भएँ जल मीन अधीन .... (8) (ग) मीत सुजान अनीत करौ जिन .... (9) (घ) पहिलें घन–आनंद सींचि सुजान .... (10) (ङ) तब तौ छवि पीवत जीवत् हे .... (13) (च) पहिले अपनाय सुजान सनेह सों .... (14)	12

	(छ) रावर रूप की रीति अनूप .... (15) (ज) अन्तर आँच उसास तचै .... (24) (झ) अति सूधो सनेह को मारग है ..... (82) (ञ) अंतर मैं वासी पै प्रबासी को सो अंतर है .... (86) • **रसखान** (क) मानुष हौं तो वही 'रसखानि' बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन .... (ख) कान्ह भये स बाँसुरी के अब कौन सखि हमकों चहिहै .... (ग) मेरौ सुभाय चितैबो कौ माई री लाल निहारी कै बंसी बजाई	
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :–

1. विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
2. जायसी : विजय देवनारायण साही, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद
3. सूफ़ीमत : साधना और साहित्य : राम पूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी
4. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. अकथ कहानी प्रेम की : पुरूषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
8. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
11. घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा : मनोहर लाल गौड़

SEMESTER- II

CC3 :हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: आधुनिकता के कालबोधक और मूल्यबोधक अवधारणा से परिचित हो सकेंगे
CO2: हिंदी गद्य के विकास में भारतेन्दु युग के अवदान से परिचित हो सकेंगे
CO3: द्विवेदी युग में खड़ी बोली हिंदी कविता के विकास के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे
CO4: हिंदी कविता के विभिन्न महत्त्वपूर्ण प्रवृत्तियों के साथ हिंदी गद्य के विकास से परिचित हो सकेंगे

CC3 :हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (Theory: 06Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	• भारतेन्दु एवं द्विवेदी युग	08
2	• छायावाद	04
3	• प्रगतिवाद, उत्तर छायावाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता	12
4	• समकालीन कविता (1980 से आज तक)	12
5	• स्वतंत्रता–पूर्व हिंदी गद्य एवं उसकी विविध विधाओं का विकास	12
6	• स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य एवं उसकी विविध विधाओं का विकास	12
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :–

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1984
2. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय, पिपुल्स लिटरेसी, दिल्ली, 1981
3. हिंदी साहित्यः बीसवीं शताब्दी : नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती, इलाहाबाद, 1983
4. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती, इलाहाबाद, 1986
5. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1968
6. विवेक के रंग : देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1965
7. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र : ओम प्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2001

8. आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श : देवेन्द्र चौबे, ओरिएंटल ब्लैक श्वान, दिल्ली, 2009
9. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
10. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
11. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह
12. छायावाद : नामवर सिंह
13. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
14. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
15. आधुनिक हिंदी साहित्यः विविध आयाम : रामचन्द्र तिवारी
16- गद्य साहित्य : विकास और विन्यास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

CC4 :आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: भारतेन्दु–युग से लेकर छायावाद तक हिंदी कविता के विकास का पाठगत परिचय प्राप्त कर सकेंगे
CO2: उस दौर के महत्त्वपूर्ण कवियों के काव्यात्मक अवदान से परिचित हो सकेंगे
CO3: कविता के पाठगत विश्लेषण के द्वारा अपनी आलोचनात्मक चेतना विकसित कर सकेंगे
CO4: कविता की विभिन्न शैलियों से परिचित हो सकेंगे

CC4 :आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) (Theory: 06Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	• भारतेन्दु – भारत दुर्दशा • अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' – प्रियप्रवास (प्रथम सर्ग, प्रारंभिक 21 छंद)	08
2	• मैथिलीशरण गुप्त – 'पंचवटी' खण्ड काव्य (प्रारंभिक 31 छंद) • रामनरेश त्रिपाठी – 'स्वप्न' खण्ड काव्य (पहला सर्ग, प्रारंभिक 21 छंद)	12
3	• जय शंकर प्रसाद – 'लहर' – मधुप गुनगुना कर कह जाता, बीती विभावरी जाग री, वे कुछ दिन कितने सुन्दर थे, अशोक की चिंता	10
4	• सूर्यकांत त्रिपाठी निराला–'राग–विराग' (सं.– राम विलास शर्मा) – बादल–राग : 6; वर दे वीणावादिनी वर दे; टूटें सकल बन्ध; राजे ने अपनी रखवाली की; शिशिर की शर्वरी	10
5	• सुमित्रानंदन पंत – 'रश्मिबंध' – प्रथम रश्मि, बादल, मौन निमंत्रण, नौका विहार	10
6	• महादेवी वर्मा – 'आधुनिक कवि' (हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग) – चुभते ही तेरा अरुण वान, विरह का जलजात जीवन, मधुर–मधुर मेरे दीपक जल, मैं नीर भरी दुख की बदली	10
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :–

1. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास : डॉ. नंद किशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली,
2. समकालीन काव्य यात्रा : डॉ. नंद किशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
3. मैथिलीशरण : डॉ. नंद किशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
4. छायावाद : डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. निराला की साहित्य साधना (दूसरा भाग) : डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. निराला कृति से साक्षात्कार : नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. आधुनिक हिंदी कविता : डॉ. विश्वनाथ तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. महादेवी : इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. जय शंकर प्रसाद : रमेश चन्द्र शाह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
10. निराला : परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
11. निराला की साहित्य–साधना (खंड 1, 2) : राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER – III

CC5 :छायावादोत्तर हिन्दी कविता

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: छायावाद के बाद की हिंदी कविता के विकास की विभिन्न मंजिलों से परिचित हो सकेंगे
CO2: उस दौर के महत्त्वपूर्ण कवियों के व्यक्तित्व–कृतित्व से परिचित हो सकेंगे
CO3: पठित कवियों के काव्यगत वैशिष्ट्य की जानकारी होगी
CO4: कविताओं के पाठगत विश्लेषण से अपनी आलोचनात्मक क्षमताओं का विकास कर सकेंगे

CC5 :छायावादोत्तर हिन्दी कविता (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	**केदारनाथ अग्रवाल** – माँझी! न बजाओ वंशी, वह जन मारे नहीं मरेगा, यदि आयेगा डॉलर, खेत का दृश्य, चंद्रगहना से लौटती बेर, बसंती हवा	10
2	**नागार्जुन** –घिन तो नहीं आती, बादल को घिरते देखा है; खुरदरे पैर; शासन की बंदूक; अकाल और उसके बाद; मैं तुम्हें अपना चुंबन दूँगा	10
3	**रामधारी सिंह 'दिनकर'**– कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग)	10
4	**माखनलाल चतुर्वेदी**–झरना; कैदी और कोकिला; नाश का त्यौहार (हिमकिरीटिनी) **स. ही. वा. 'अज्ञेय' –** कलगी बाजरे की; कतकी पूनो; सोन–मछली, नदी के द्वीप, साम्राज्ञी का नेवैद्य दान	10
5	**भवानीप्रसाद मिश्र**– सतपुड़ा के जंगल; गीत–फरोश (दूसरा सप्तक) **रघुवीर सहाय** – पढ़िए गीता; रामदास, हँसो हँसो जल्दी हँसो, नेता क्षमा करें	10
6	**ग. मा. 'मुक्तिबोध'**– मुझे कदम–कदमपर; मुझे पुकारती हुई पुकार **गिरिजा कुमार माथुर**– आज हैं केसर रंग रंगे वन; बुद्ध (तारसप्तक)	10
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :–

1. प्रतिनिधि कविताएँ : केदारनाथ अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रतिनिधि कविताएँ : नागार्जुन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. कुरुक्षेत्र : रामधारी सिंह दिनकर, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
4. काव्य–कुसुम : सं. गणेशानंद झा, गायत्री देवी, मोतीलाल बनारसी दास प्रकाशन, पटना
5. सन्नाटे का छंद : सं. अशोक वाजपेयी, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
6. मन एक मैली कमीज है : सं. नंदकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
7. प्रतिनिधि कविताएँ : रघुवीर सहाय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. चाँद का मुँह टेढ़ा है : ग. मा. मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
9. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास : नंद किशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
10. कवि अज्ञेय : नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. तार सप्तक : सं. अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
14. दूसरा सप्तक : सं. अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
15. तीसरा सप्तक : सं. अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
16. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
17. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास :लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
19. हिन्दी काव्य समीक्षा के प्रतिमान : महेश तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

CC6 :भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: काव्य संबंधी विभिन्न भारतीय एवं पाश्चात्य विवादों से परिचित हो सकेंगे
CO2: काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे
CO3: काव्य के विभिन्न उपकरणों–अलंकार–छंद आदि का परिचय प्राप्त कर सकेंगे

CO4: काव्य संबंधी अपनी आलोचनात्मक चेतना का विकास कर सकेंगे

CC6 :भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहासः सामान्य परिचय; काव्य लक्षण; काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन	08
2	काव्य–भेद, शब्द–शक्ति, काव्य–गुण, काव्य–दोष	08
3	रस,अलंकार,रीति,ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धांतों का सामान्य परिचय	16
4	प्रमुख अलंकारों के लक्षण उदाहरण–यमक, उपमा, रूपक,उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, श्लेष,असंगति,विरोधाभास, अतिशयोक्ति, विभावना, मानवीकरण प्रमुख छंदों के लक्षणउदाहरण–दोहा,चौपाई, रोला, सोरठा, कवित्त,सवैया,छप्पय, कुंडलिया,बरवै,उल्लाला	08
5	पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : सामान्य परिचय प्लेटो,अरस्तु, लोंजाइनस की काव्य संबंधी मान्यताएँ एवं सिद्धांत	10
6	वर्ड्सवर्थ, कॉलरिज, क्रोचे एवं इलियट की काव्य संबंधी मान्यताएँ एवं सिद्धांत।	10
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :

1. काव्य के तत्व : आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
2. भारतीय साहित्यशास्त्र कोश : डॉ. राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी,पटना
3. भारतीय आलोचना–शास्त्र : डॉ. राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
4. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र कोश : डॉ. राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
5. साहित्यालोचन :डॉ. श्याम सुंदर दास, सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भारतीय काव्य : चिंतन, डॉ. शोभा कांत मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य : चिंतन, डॉ. सभापति मिश्र, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. अरस्तु का काव्यशास्त्र : अनुवादकः डॉ. नगेंद्र एवं महेंद्र चतुर्वेदी, हिंदी अनुसंधान परिषद्, दिल्ली विश्वविद्यालय,नई दिल्ली

CC7 :हिंदी की साहित्यिक विधाएँ : उद्‌भव और विकास

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: साहित्य के विभिन्न विधाओं के स्वरूप और इतिहास से परिचित हो सकेंगे
CO2: विभिन्न विधाओं की विशिष्टता और महत्त्व से परिचित हो सकेंगे
CO3: विधाओं के विकास और आधुनिकता से उसके संबंध को समझ सकेंगे
CO4: विभिन्न विधाओं के बीच के अंतर को समझ सकेंगे

CC7 :हिंदी की साहित्यिक विधाएँ : उद्‌भव और विकास (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	साहित्यकास्वरूप : संक्षिप्तपरिचय (भेदकलक्षणएवंतत्त्व – भारतीयएवंपाश्चात्यमत)	06
2	हिंदीकीसाहित्यिक विधाएँ : सामान्यपरिचयएवंउद्‌भवऔरविकास पद्य : महाकाव्य, खण्डकाव्य, मुक्तककाव्य, चम्पूकाव्य, स्फुटकाव्य	16
3	गीति काव्य,प्रगीत, नयी कविता, नवगीत	06
4	गद्यःउपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबंध,आलोचना, यात्रा–वृत्तांत	16
5	पत्र–साहित्य, डायरी, रिपोर्ताज, रेखाचित्र/शब्दचित्र, संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा	08
6	साहित्यिक विधाओं मेंअंतर • महाकाव्यऔरखण्डकाव्य • प्रबंध काव्य औरमुक्तककाव्य • उपन्यासऔरकहानी • नाटक और एकांकी • संरमरणऔरयात्रा–वृत्तांत	08

	• जीवनीऔरआत्मकथा • रेखाचित्र औरसंस्मरण	
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, संपादक डॉ. नगेंद्र, पेपरबैक
3. साहित्यालोचन, डॉ. श्यामसुंदर दास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कविता क्या है, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. साहित्य विधाओं की अंतः प्रकृति, डॉ. हरिमोहन
6. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. कविता के नये प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत–गणपति चंद्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. हिंदी उपन्यास का विकास, मधुरेश, लोकभारती, प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. हिंदी आलोचना का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. नयी कविता, नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. हिंदी काव्य का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, राज कमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. हिंदी नाटक, बच्चन सिंह : राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
17. हिंदी साहित्य कोश : सं. डॉ. धीरेंद्र वर्मा (प्रधान), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी
18. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली : डॉ० अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
19. हिंदीकहानीकाविकास : डॉ.गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

SEMESTER – IV

CC8 :हिंदी भाषा : उद्‌भव और विकास

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: भारतीय भाषा–चिंतन परम्परा से परिचित हो सकेंगे
CO2: आधुनिक भारतीय भाषाओं के उद्‌भव एवं विकास की प्रक्रिया को समझ सकेंगे
CO3: हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी विवाद के ऐतिहासिक स्वरूप से परिचित होंगे
CO4: देवनागरी लिपि से संबद्ध तथ्यों के साथ बिहारी बोलियों से परिचय प्राप्त कर सकेंगे

CC8 :हिंदी भाषा : उद्‌भव और विकास (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	• पूर्व भाषा–चिंतन की परंपरा : पाणिनि, भर्तृहरि और दिंगनाग का भाषा विषयक चिंतन • आधुनिक भारतीय भाषाओं का उद्‌भव और भारोपीय भाषा परिवार	10
2	• मध्य देश में आधुनिक भाषाओं का विकास, प्राकृत और अपभ्रंश से उनका संबंध तथा हिंदी जाति की अवधारणा • अपभ्रंश राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली का भौगोलिक परिचय एवं उनकी सामान्य विशेषताएँ	16
3	• नवजागरण और आधुनिक हिंदी आंदोलन : हिंदी, उर्दू, हिंदुस्तानी	12
4	• अन्य भारतीय भाषाएँ और हिंदी भाषा की विशिष्टता और एकता	06
5	• संविधान में हिंदी, राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी	08
6	• देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और मानकीकरण का प्रश्न • बिहार की प्रमुख बोलियाँ	08
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :

1. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. पुरानी हिंदी : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
4. भारतीय आर्य भाषा और हिंदी : सुनीती कुमार चटर्जी
5. हिंदी उद्‌भव विकास एवं रूप : हरदेव बाहरी
6. हिंदी भाषा : डॉ भोलानाथ तिवारी
7. राजस्थानी भाषा का उद्‌भव और विकास : डॉ. दामोदर लाल शर्मा
8. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
9. राजभाषा हिंदी : डॉ. भोलानाथ तिवारी

CC9 :हिंदी उपन्यास

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will have to:

CO1: भारतीय परिप्रेक्ष्य में हिन्दी उपन्यास के विकास को समझ सकेंगे
CO2: प्रेमचंद के 'गबन' उपन्यास के भावगत, शिल्पगत स्वरूप के साथ उसमें निहित यथार्थ को जान सकेंगे
CO3: जैनेन्द्र, यशपाल और मन्नू भंडारी के उपन्यासों के महत्त्व से परिचित हो सकेंगे
CO4: रेणु के उपन्यास के वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे

CC9 :हिंदी उपन्यास (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	भारतीय उपन्यास और हिंदी उपन्यास	04
2	गबन – प्रेमचंद	12
3	त्यागपत्र –जेनैन्द्र	08
4	दिव्या–यशपाल	12
5	महाभोज–मन्नू भंडारी	12
6	जुलूस–फणीश्वरनाथ रेणु	12
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :

1. गबन, प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. त्यागपत्र, जैनेंद्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. दिव्या, यशपाल. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. महाभोज, मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. जुलूस,फणीश्वर नाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रेमचंद और उनका युग, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. उपन्यास स्वरूप और संवेदना, राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. जैनेंद्र के उपन्यास, परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. उपन्यास की संरचना, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. हिंदी उपन्यासः नया पाठ, हेमंत कुकरेती, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. प्रेमचंद और भारतीय समाज, सं. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. उपन्यास की रचना प्रक्रिया, परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. हिंदी उपन्यास का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. जैनेंद्र कुमार : चिंतन और सृजन, मधुरिमा कोहली, पराग प्रकाशन, दिल्ली
15. प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन, नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. अनासक्त आस्तिक : जैनेन्द्र की जीवनी : ज्योतिष जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

CC10 :हिंदी कहानी

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: हिन्दी कहानी के विकास को पाठ के माध्यम से समझ सकेंगे
CO2: अपने समय के साथ कहानी के संवाद के स्वरूप को समझ सकेंगे
CO3: पठित कहानियों के कहानीकारों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
CO4: कहानियों का पाठाधारित विश्लेषण कर सकेंगे

CC10 :हिंदी कहानी (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी; पूस की रात : प्रेमचंद; आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद	14
2	पाजेब : जैनेन्द्र; शरणदाता : अज्ञेय	08
3	मिस पाल : मोहन राकेश; सिक्का बदल गया : कृष्णा सोबती	10
4	दोपहर का भोजन :अमरकांत; तीसरी कसम : फणीश्वर नाथ रेणु	12
5	भेड़िये : भुवनेश्वर; चीफ की दावत : भीष्म साहनी	08
6	कोसी का घटवार : शेखर जोशी; पिता : ज्ञानरंजन	08
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :

1. कहानी : नई कहानी, नामवर सिंह
2. प्रतिनिधि कहानियाँ : सं. डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, पटना
3. यू.जी.सी. नेट, जेआरएफ, हिंदी पाठ्यक्रम में शामिल संपूर्ण कहानियाँ : महेंद्र सिंह, जेएनयू दिल्ली
4. एक दुनिया समानान्तर : लेखक–राजेंद्र यादव
5. मानसरोवर भाग–1 :लेखक–प्रेमचंद

SEMESTER – V

CC11 :हिंदी नाटक एवं रंगमंच

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: इस पत्र के माध्यम से आप नाटक एवं रंगमंच के संबंध के स्वरूप को समझ सकेंगे
CO2: हिन्दी नाटक के विभिन्न रूपों के साथ बिहार की विशेष नाट्य शैलियों से परिचित हो सकेंगे
CO3: पठित नाटकों के नाटककारों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
CO4: नाटकों के पाठाधारित विश्लेषण के द्वारा अपनी आलोचनात्मक क्षमता का विकास कर सकेंगे

CC11 :हिंदी नाटक एवं रंगमंच (Theory: 06Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	नाटक एवं रंगमंच : अंतर्संबंध और अंतर्द्वंद; हिंदी रंगमंच के विकास की रूपरेखा; हिंदी नाटक के विभिन्न रूपों का परिचय; बिहार की विशेष नाट्य–शैलियाँ और रंगमंच	16
2	अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिशचंद्र	08
3	स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद	10
4	आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश	10
5	कबीरा खड़ा बाजार में : भीष्म साहनी	08
6	कोणार्कः जगदीश चंद्र माथुर	08
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :

1. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
2. नाटक और नाट्य शैलियाँ, दुर्गा दीक्षित, साहित्य भवन, इलाहाबाद

3. रंगमंच कला और दृष्टि, डॉ. गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आज के हिंदी नाटक परिवेश और कई दृश्य, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी नाटक का आत्म संघर्ष, गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. रंगदर्शन, नेमीचंद्र जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी नाट्य परिदृश्य, सं. डॉ धीरेंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
8. भारतीय नाट्य सिद्धांत उद्‌भव और विकास, डॉ. रामजी पांडे, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
9. रंग वैचारिकी :.नए संदर्भों में, संपादक आशा, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली
10. अंधेर नगरी, संपादक परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. अंधेर नगरी : संवेदना और शिल्प, सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन
12. स्कंदगुप्त : संवेदना और शिल्प, सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन
13. आषाढ़ का एक दिन : विश्लेषण–विवेचन, संपादक सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
14. धर्मवीर भारती और उनका अंधायुग, डॉ. लक्ष्मण दत्त गौतम, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
15. प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन(प्रसाद के नाटक), सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन
16. आधुनिक हिंदी नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश, डॉ. गोविंद चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

.

CC12 :हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य–विधाएँ

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: हिन्दी निबंध के विभिन्न रूपों का पाठगत परिचय प्राप्त कर सकेंगे
CO2: हिन्दी निबंध के वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे
CO3: हिन्दी निबंधकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
CO4: निबंधों के पाठगत विश्लेषणों से अपनी आलोचनात्मक क्षमता के साथ अपने गद्य–लेखन को विकसित कर सकेंगे

CC12 :हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य–विधाएँ (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	• कछुआ–धर्म–चंद्रधर शर्मा गुलेरी • उत्साह– रामचंद्र शुक्ल	16
2	• देवदारू–हजारी प्रसाद द्विवेदी • महाकवि जयशंकर प्रसाद–शिवपूजन सहाय	12
3	• रजिया, रामवृक्ष बेनीपुरी • हिंदी कविता और छंद–रामधारी सिंह दिनकर	12
4	• 'रामा' (अतीत के चलचित्र से)–महादेवी वर्मा • किन्नर देश पर एक ऐतिहासिक दृष्टि ('किन्नर देश में से)–राहुल सांकृत्यायन	12
5	• मेरी माँ ने मुझे प्रेमचंद का भक्त बनाया – मुक्तिबोध • 'बक़लम खुद' का 'गप–शप़' पाठ–डॉ. नामवर सिंह	08
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी
4. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य,हरदयाल
5. महादेवी का गद्य साहित्य,माखनलाल शर्मा
6. आधुनिक हिंदी–साहित्य,लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
7. हिंदी गद्य का उद्‌भव और विकास, विजयेंद्रस्नातक
8. चंद्रधर शर्मा गुलेरीः व्यक्तित्व और कृतित्व, पीयूष गुलेरी
9. प्रारंभिक रचनाएँ : नामवर सिंह (सं. भारत यायावर), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER – VI

CC13 :हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: हिन्दी पत्रकारिता के विकास में हिन्दी साहित्यकारों के योगदान से परिचित हो सकेंगे
CO2: हिन्दी पत्रकारिता के हिन्दी साहित्य के विकास में योगदान से परिचित हो सकेंगे
CO3: विभिन्न युगों में हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता के विकास के स्वरूप से परिचित हो सकेगे
CO4: हिन्दी की कुछ महत्त्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाओं से विशेष रूप से परिचित हो सकेंगे

CC13 :हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता (Theory: 06Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	• साहित्यिक पत्रकारिता : अर्थ, अवधारणा, और महत्त्व. • साहित्यिक पत्रकारिता का वैशिष्ट्य.	08
2	• भारतेंदु युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृतियाँ • द्विवेदी युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृतियाँ	12
3	• प्रेमचंद युगीनसाहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृतियाँ • स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृतियाँ	12
4	• समकालीन साहित्य पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ • साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका	12
5	• हिंदी की महत्वपूर्ण पत्र पत्रिकाएँ : (क) हिंदीप्रदीप,सरस्वती,प्रताप,कर्मवीर	08
6	• हिंदी की महत्वपूर्ण पत्र पत्रिकाएँ:(ख) विशाल भारत, कल्पना, हंस, पहल, आलोचना।	08
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें :

1. साहित्यिक पत्रकारिता : ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन
2. साहित्यिक पत्रकारिता का परिदृश्य : सं. अरुण तिवारी
3. पत्रकारिता के उत्तर, आधुनिक चरण : कृपाशंकर चौबे
4. बिहार की हिंदी साहित्यिक पत्रकारिता : कल्याण कुमार झा, साहित्य कला संगम, बेतिया
5. हिंदी पत्रकारिता : जातीय चेतना और खड़ी बोली साहित्य की निर्माण भूमि : डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
6. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी और साहित्यिक पत्रकारिता : इंद्रसेन सिंह
7. भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

CC14 :प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: हिन्दी भाषा के प्रयोजनमूलक स्वरूप एवं उसके व्यवहार क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे
CO2: प्रयोजनमूलक हिन्दी के विभिन्न प्रकारों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे
CO3: सरकारी कार्यालयों एवं व्यावसायिक कार्यों में हिन्दी के उपयोग का कौशल प्राप्त कर सकेंगे
CO4: हिन्दी के पारिभाषिक शब्दों के निर्माण, उसकी प्रक्रिया और जरूरतों से परिचित हो सकेंगे

CC14 :प्रयोजनमूलक हिंदी (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of**

		Lectures
1	**प्रयोजनमूलक हिंदी :** स्वरूप,व्यवहार क्षेत्र, शैक्षिक संदर्भ : उद्देश्य और सीमा; मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी	12
2	**हिंदी की शैलियाँ :** हिंदी, उर्दू और हिंदुस्तानी; हिंदी का मानकीकरण	06
3	**प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रमुख प्रकार :** कार्यालयी हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण,वैज्ञानिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण; व्यावसायिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण; व्यावहारिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण; संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन,चलचित्र) की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण	12
4	**हिंदी के प्रयोग क्षेत्र :** भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी की प्रयुक्ति, अन्य प्रयुक्तियाँ–वाणिज्य, बैंकिंग, विधि एवं न्याय क्षेत्र की हिंदी	12
5	**भाषा व्यवहार :**सरकारी पत्राचार, टिप्पणी लेखन, मसौदा लेखन, बैठकें और प्रतिवेदन प्रारूपण,सार–लेखन, विज्ञापन–लेखन, सरकारी और व्यावसायिक पत्र लेखन	12
6	**हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण;**प्रक्रिया एवं प्रस्तुति	06
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी, माधव सोनटक्कें, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रयोजनमूलक हिंदी, रामकिशोर शर्मा, श्यामा प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप, डॉ. चंद्र भाटिया, साहित्य भवन
4. प्रयोजनमूलक भाषा कार्यालयी हिंदी, कृष्ण कुमार गोस्वामी, कलिंगा प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी, डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया. तक्षशिला प्रकाशन. नई दिल्ली
6. प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना और अनुप्रयोग, डॉ. रामप्रकाश,डॉ. दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन
7. प्रयोजनी हिंदी, सूर्य प्रसाद दीक्षित, भारत बुक सेंटर, लखनऊ
8. प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन, संपादक सुशीला गुप्ता, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. मीडिया की भाषा, वसुधा गाडगिल
10. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण–लेखन विधि, राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव
11. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद भारती भवन, पटना

SEMESTER - I

MIL Hindi **Credit 02** **Full Marks 100**

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: हिंदी भाषा की ध्वनियों, लिपि और वर्त्तनी का परिचय प्राप्त करेंगे

CO2: हिंदी–लेखन के अनेक रूपों – निबंध, संक्षेपण, पल्लवन, अवबोध आदि की जानकारी प्राप्त करेंगे

CO3: प्रयोजनमूलक हिंदी के कुछ उपयोगी रूपों से परिचित होंगे

CO4: हिंदी की कुछ रचनाओं के आस्वादन से अपनी संवेदना का विस्तार कर सकेंगे

MIL Hindi
(Theory: 02 Credits)

Unit	Topics to be covered	No. of hours
1	हिंदी की ध्वनियाँ और उसके प्रकार, उच्चारण, लिपि की आवश्यकता, हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और उसके मानकीकरण का प्रश्न	04
2	निबंध–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, अवबोध, हिंदी मुहावरे और कहावतें, हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद	04
3	कार्यालयी हिंदी : सरकारी पत्राचार, टिप्पण, प्रारूपण (मसौदा लेखन), राजभाषा, राज्यभाषा, संपर्क भाषा, संविधान की अष्टम अनुसूची और उसके निहितार्थ	04
4	हिंदी की चयनित गद्य रचनाएँ (क) कहानी : 'बेटोंवाली विधवा' (प्रेमचंद) (ख) निबंध : 'भय' (रामचंद्र शुक्ल)	08

	(ग) ललित निबंध : 'गेहूँ और गुलाब' (रामवृक्ष बेनीपुरी) (घ) संस्मरण : 'श्री राहुल सांकृत्यायन' (रामधारी सिंह दिनकर) (ङ) व्यंग निबंध : 'सदाचार का ताबीज' (हरिशंकर परसाई) (च) एकांकी : 'बाबर की ममता' (देवेन्द्रनाथ शर्मा)	
5	हिंदी की चयनित कविताएँ : काव्यांश (क) कबीर : साखी : 'करणीं बिना कथणीं कौ अंग' तथा 'कथणीं बिना करणीं कौ अंग' (कबीर ग्रंथावली : संपादक माता प्रसाद गुप्त) (ख) मलिक मुहम्मद जायसी : 'मंडप गमन खंड' (पद्मावत : सं. वासुदेव शरण अग्रवाल) (ग) तुलसी : 'धनुष–भंग प्रसंग' : 'रामचरितमानस' (गीता प्रेस, गोरखपुर) का बालकांड : दोहा संख्या 250 से 264 तक (घ) भारतेंदु : 'भारत–दुर्दशा' (ङ) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : 'राजे ने अपनी रखवाली की' (च) रामधारी सिंह दिनकर : 'अघटन घटना क्या समाधान' कविता ('बापू' नामक संग्रह से)	10
	TOTAL	**30**

GE1 : लोक साहित्य

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: भारतीय समाज में लोक के स्वरूप और उसके महत्त्व को समझ सकेंगे

CO2: लोक की संस्कृति और उसके विभिन्न रूपों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे

CO3: लोक भाषा के महत्त्व से परिचित होंगे

CO4: लोक और शिष्ट साहित्य के अंतर एवं अंतस्संबंध को समझ सकेंगे

GE1 : लोक साहित्य
(Theory: 06 Credits)

Unit	Topics to be covered	No. of Lectures
1	लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ	16
2	भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।	12
3	लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, किर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिंदी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिंदी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।	12
4	लोककथा : व्रतकथा, परिकथा, नाग–कथा, कथारूढियाँ और अन्धविश्वास।	08
5	लोकभाषा : लोक सुभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।	08
6	लोकनृत्य एवं लोकसंगीत।	04
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें:

1. लोक : पीयूष दइया (सं.)
2. लोक का आलोक : पीयूष दइया (सं.)
3. लोक साहित्य की भूमिका : धीरेन्द्र वर्मा
4. लोक साहित्य : सत्येन्द्र
5. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार
6. पारंपरिक लोक–नाट्य : जगदीश चन्द्र माथुर
7. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा : मनोहर शर्मा

8- Tradition of Indian Folk Dance : Kapila Vatsyayan

GE2 : फणीश्वर नाथ रेणु

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: फणीश्वरनाथ रेणु का हिन्दी गद्य, विशेषतः कथा साहित्य के अनूठे कलाकार के रूप में परिचय प्राप्त करेंगे
CO2: उनके उपन्यास और कहानी से तत्कालीन ग्रामीण समाज के सर्वांगपूर्ण समझ विकसित होगी
CO3: रेणु ने रिपोर्ताज विधा को कैसे समृद्ध किया, इसे समझ सकेंगे
CO4: हिन्दी कथा साहित्य के भीतर रेणु के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे

GE2 : फणीश्वर नाथ रेणु (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of hours**
1	• उपन्यास – कितने चौराहे	15
2	• उपन्यास – जुलूस	15
3	• कहानियाँ – ठेस, पंचलैट, लाल पान की बेगम, संवदिया, रसप्रिया, एक आदिम रात्रि की महक, सिरपंचमी का सगुन, पहलवान की ढोलक, रसुल मिस्तरी, लफड़ा	20
4	• रिपोर्ताज – ऋणजल धनजल (प्रारंभिक पाँच पाठ)	10
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें:

1. फणीश्वरनाथ रेणु : सृजन और संदर्भ : अशोक कुमार आलोक, आधार प्रकाशन
2. फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों में आंचलिकता : एच. सहदेव कांबले, अमन प्रकाशन
3. फणीश्वरनाथ रेणु : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. हरिशंकर दुबे, विकास प्रकाशन
4. फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आंचल : गोपाल राय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
5. फणीश्वरनाथ रेणु का कथा शिल्प : डॉ. रेणु साह, राजस्थानी ग्रंथागार
6. कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु : डॉ. चन्द्रभानु सोनवणे, पंचशील प्रकाशन
7. फणीश्वरनाथ रेणु की उपन्यास कला : कुसुम सोफ्ट, वसुमति प्रकाशन

Discipline Specific Elective (DSE)

1. लोक साहित्य
2. अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य
3. प्रवासी साहित्य
4. राष्ट्रीय काव्यधारा
5. छायावाद
6. तुलसीदास
7. प्रेमचंद
8. फणीश्वरनाथ रेणु
9. रामधारी सिंह दिनकर
10. DISSERTATION/PROJECT WORK

उपर्युक्त में से कोई चार पाठ्यक्रम

SEMESTER – V

DSE1 :लोक साहित्य

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: भारतीय समाज में लोक के स्वरूप और उसके महत्त्व को समझ सकेंगे

CO2: लोक की संस्कृति और उसके विभिन्न रूपों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे

CO3: लोक भाषा के महत्त्व से परिचित होंगे

CO4: लोक और शिष्ट साहित्य के अंतर एवं अंतस्संबंध को समझ सकेंगे

DSE1 :लोक साहित्य (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ	16
2	भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।	12
3	लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, किर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिंदी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिंदी नाटक एवंरंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।	12
4	लोककथा : व्रतकथा, परिकथा, नाग–कथा, कथारूढियाँ और अन्धविश्वास।	08
5	लोकभाषा : लोक सुभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।	08
6	लोकनृत्य एवं लोकसंगीत।	04
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें:

1. लोक : पीयूष दइया (सं.)
2. लोक का आलोक : पीयूष दइया (सं.)
3. लोक साहित्य की भूमिका : धीरेन्द्र वर्मा
4. लोक साहित्य : सत्येन्द्र
5. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार
6. पारंपरिक लोक–नाट्य : जगदीश चन्द्र माथुर
7. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा : मनोहर शर्मा
8. Tradition of Indian Folk Dance : Kapila Vatsyayan

DSE2 :अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: भारतीय समाज में उपेक्षित समुदायों की अस्मितामूलक चेतना के उद्‌भव एवं विकास के विभिन्न कारणों से परिचित होंगे

CO2: दलित विमर्श की अवधारणा और उससे जुड़े साहित्य का परिचय प्राप्त करेंगे

CO3: स्त्री विमर्श कीअवधारणा, उसके विकास और उससे जुड़े साहित्य से परिचित होंगे

CO4: इस पाठ्‌यक्रम के अध्ययन से आपकी संवेदना का विकास होगा

DSE2 :अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	• **विमर्शों की सैद्धांतिकी :** (क) दलित विमर्श : अवधारणा और आन्दोलन, फुले और अम्बेडकर	12

	(ख) स्त्री विमर्श : अवधारणा और मुक्ति आन्दोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ) (ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आन्दोलन	
2	• **विमर्शमूलक कथा साहित्य :** (क) ओमप्रकाश वाल्मीकि – सलाम (ख) जयप्रकाश कर्दम – नौ बार (ग) हरिराम मीणा – धूपी तपे तीर,पृष्ठ संख्या :158–167 (घ) मोहनदास नैमिशराय – मुक्तिपर्व (उपन्यास) का अंश (पृष्ठ 24 से 33) (ङ) सुमित्रा कुमारी सिन्हा – व्यक्तित्व की भूख (च) नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी	16
3	• **विमर्शमूलक कविता :** (क)**दलित कविता :** अछूतानन्द (दलित कहाँ तक परें रहेंगे), नगीना सिंह (कितनी व्यथा), कालीचरण सनेही (दलित विमर्श), माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा) (ख)**स्त्री कविता :** 1. कीर्ति चौधरी : सीमा रेखा 2. कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चंपा 3. सविता सिंह : मैं किसकी औरत हूँ	16
4	• **विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :** (क)प्रभा खेतान – अन्या से अनन्या , पृष्ठ 28–42 तक (ख)तुलसीराम – मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ, पृष्ठ संख्या 125 से 135) (ग)महादेवी वर्मा – स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न (घ)डॉ. धर्मवीर – अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर	16
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें:

1. अंबेडकर समग्र : डॉ. भीमराव अम्बेडकर, भारत सरकार का प्रकाशन
2. ज्योतिबा फुले समग्र : ज्योतिबा फुले
3. आधुनिकता के आइने में दलित : संपादित–अभय कुमार दूबे
4. स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द वउआर
5. श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा
6. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र : ओम प्रकाश वाल्मीकि
7. दलित विमर्श की भूमिका, कंवल भारती
8. उपनिवेश में स्त्री, प्रभा खेतान

SEMESTER – VI

DSE3 :प्रवासी साहित्य

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: वैश्वीकरण की प्रवृत्ति के साथ प्रवासी भारतीयों की एक नई श्रेणी का परिचय प्राप्त करेंगे

CO2: प्रवासी भारतीयों की हिन्दी रचनाशीलता के बारे में परिचय प्राप्त करेंगे

CO3: प्रवासी भारतीयों द्वारा रचित उपन्यासों–कहानियों के अध्ययन से उनके जीवन–यथार्थ से परिचित होंगे

CO4: विश्व बंधुत्व सम्बंधी अवधारणा के साहित्यिक स्वरूप से परिचित होंगे

DSE3 :प्रवासी साहित्य (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**
1	❖ **उपन्यास** • अभिमन्यु अनत – लाल पसीना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली • सुषम वेदी – लौटना पड़ा, पराग, प्रकाशन नई, दिल्ली • नीना पॉल – कुछ गांव गांव कुछ शहर शहर, यस पब्लिकेशन, नई दिल्ली • दिव्य माथुर – शाम भर बातें, वाणी प्रकाशन, दिल्ली	32
2	❖ **कहानियाँ** • तेजेंद्र शर्मा – कोख का किराया • जकिया जुबेरी – सांकल • जय वर्मा – गुलमोहर • सुधा ओम ढींगरा – कौन सी जमीन अपनी	22

	• उषा राजे सक्सेना – ऑन्टोप्रेन्योर • पूर्णिमा बर्मन – यों ही चलते हुए • अनिल प्रभा कुमार – बेमौसम की बर्फ	
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें:–

1. प्रवासी हिन्दी कहानी; एक अंतर्यात्रा : सुषमा आर्य, अजय नावरिया(सं.), शिल्पायन, 2013
2. हिन्दी साहित्य और प्रवासी विमर्श : डॉ. वसुंधरा उपाध्याय, साहित्य संचयनी, 2019
3. प्रवासी हिन्दी साहित्य ; वैश्विक परिदृश्य : डॉ. नवनीत कौर, हरियाणा ग्रंथ अमादमी, 2017
4. हिन्दी का प्रवासी साहित्य : कमल किशोर गोयनका, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रवासी लेखन, नई जमीन नया आसमान : अनिल जोशी, वाणी प्रकाशन
6. प्रवासी हिन्दी साहित्य और सुदर्शन प्रियदर्शिनी : डॉ. शिखा श्रीधर

DSE4 :राष्ट्रीय काव्यधारा

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: भारत में राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रीयता की अवधारणा और उसके विकास से परिचित होंगे
CO2: राष्ट्रीय काव्यधारा के महत्त्वपूर्ण कवियों के व्यक्तित्व–कृतित्व से परिचित होंगे
CO3: राष्ट्रीय काव्य के भीतर विविध काव्य शैलियों से परिचित होंगे
CO4: आपके भीतर स्वस्थ राष्ट्रीय चेतना विकसित होगी

DSE4 :राष्ट्रीय काव्यधारा (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of hours**
1	• **मैथिलीशरण गुप्त**– भारत–भारती (भविष्यत खंड)	10
2	• **माखनलाल चतुर्वेदी**–'माता' (भारती भंडार, इलाहाबाद) – देश में ऐसे बालक हों, भारत के भावी विद्वान, राष्ट्रीय वीणा, हे भाई, मुक्ति; चरण की ठोकर, निराला, मुक्त गगन है, मुक्त पवन है(युग–चरण)	16
3	• **सोहनलाल द्विवेदी**– 'बापू' शीर्षक कविता (चल पड़े जिधर दो डग मग में)	02
4	• **बालकृष्ण शर्मा नवीन**–आज के लोकप्रिय हिंदी कवि–11, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली – हम अनिकेतन, एक नीम, प्राणार्पण, विप्लव–गायन, मेरे जननायक की वाणी, असिधारा–पथ	16
5	• **रामधारी सिंह दिनकर**–हुंकार – हाहाकार, अनल किरीट, वसंत के नाम पर, प्रणति, दिल्ली, हिमालय, विपथगा	16
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
2. भारतेन्दू हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
3. हिन्दी साहित्य स्वरूप एवं संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
4. हिन्दी साहित्य; उद्भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. आधुनिक हिन्दी कविता का विकास : नन्दकिशोर नवल, ज्ञानपीठ प्रकाशन
6. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त और साकेत : सूर्य प्रकाश दीक्षित
7. मैथिलीशरण : नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
8. दिनकर की साहित्य साधना : सं. सतीश कुमार राय, अविधा प्रकाशन
9. दिनकर : विजेन्द्र नारायण सिंह, साहित्य अकादमी
10. हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना : विद्दनाथ गुप्त
11. हिन्दी काव्य में राष्ट्रीय चेतना : शुभ लक्ष्मी

DSE5 :छायावाद

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: आधुनिक हिन्दी कविता की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि के रूप में छायावाद को समझ सकेंगे
CO2: छायावाद के चार महान कवियों – प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी – के काव्य–वैशिष्ट्य से परिचित होंगे
CO3: छायावाद और प्रकृति के रागात्मक संबंधों को समझ सकेंगे
CO4: हिन्दी कविता के विकास में छायावादी कविता के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे

DSE5 :छायावाद (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of hours**
1	• **जयशंकर प्रसाद** : 'आंसू' काव्य के प्रारंभिक 50 छंद	15
2	• **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला :** सखि वसंत आया, मौन रही हार, अधिवास, हिंदी के सुमनों के प्रति पत्र, स्नेह निर्झर बह गया है, बांधो न नाव इस ठांव, शिशिर की शर्वरी ('राग–विराग'–सं. रामविलास शर्मा)	15
3	• **सुमित्रानंदन पंत :** एक तारा, पर्वत प्रदेश में पावस, मौन निमंत्रण, द्रुत झरो, वह बुड्ढा, कहारों का नृत्य, ताज, भारतमाता (रश्मिबंध)	15
4	• **महादेवी वर्मा :** मैं नीर भरी दुख की बदली; मधुर मधुर मेरे दीपक जल; बिन भी हूँ; तुम्हारी रागिनी भी हूँ; क्या पूजा क्या अर्चन रे, चुभते ही तेरा अरुण वान	15
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें:

1. छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
3. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास : नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन
7. हिन्दी साहित्य; बीसवीं शताब्दी : नन्द दुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन
8. सुमित्रानंदन पंत : ई चेलिशेव, राजकमल प्रकाशन
9. महादेवी वर्मा : दूधनाथ सिंह
10. जयशंकर प्रसाद : रमेश चन्द्र साह, साहित्य अकादमी
11. निराला की साहित्य साधना(भाग–2) : राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन

DSE6 :तुलसीदास

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: हिन्दी के सर्वाधिक लोकप्रिय एवं महत्त्वपूर्ण कवि तुलसीदास के विशिष्ट व्यक्तित्व–कृतित्व से परिचित होंगे
CO2: उनके काव्य के विभिन्न रूपों, शैलियों और काव्य भाषा के वैशिष्ट्य से परिचित होंगे
CO3: तुलसी के पाठाधारित अध्ययन से युग–यथार्थ के साथ तुलसी के संबंध की व्याख्या कर सकेंगे
CO4: आपकी काव्य–संवेदना विस्तृत होगी

DSE6 :तुलसीदास (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of hours**
1	• **रामचरितमानस** :अयोध्या कांड (दोहा संख्या 67 से 185 तक), गीता प्रेस, गोरखपुर	20
2	• **कवितावली**(उत्तरकांड 30 छंद, पद संख्या 29, 35, 37, 44, 45,60, 67, 73, 74, 84, 88, 89, 102, 103, 108, 119, 122, 126, 132,134,136, 140, 141,146, 153, 155 161, 165, 182, 229), गीता प्रेस, गोरखपुर	13
3	• **गीतावली**(बालकाण्ड 20 पद, पद संख्या 7, 8, 9, 10, 18, 24, 26, 31, 33, 36, 44, 73, 95, 97,	12

	101, 104, 105, 106, 107, 110) गीता प्रेस, गोरखपुर	
4	• **विनय पत्रिका**(40 पद, पद संख्या 1, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 79, 85, 79, 90, 94, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 111, 113, 114, 115, 121, 159, 160, 164, 165, 166, 167, 182, 201, 269, 272)गीता प्रेस, गोरखपुर	15
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें:

1. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल
2. तुलसी और उनका युगा : उदयभानु सिंह
3. लोकवादी तुलसी : विश्वनाथ त्रिपाठी
4. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह
5. रामकाव्य और तुलसी : प्रेमशंकर
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी

DSE7 :प्रेमचंद

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्द के विशिष्ट व्यक्तित्व–कृतित्व का साक्षात्कार करेंगे
CO2: उनके उपन्यासों में 'सेवा सदन' के महत्त्व और वैशिष्ट्य से परिचित होंगे
CO3: 'कर्बला' नाटक से भारत की सामासिक संस्कृति के स्वरूप को आत्मसात कर सकेंगे
CO4: उनकी कहानियों–उपन्यासों से तत्कालीन भारतीय समाज के यथार्थ से परिचित होंगे

DSE7 :प्रेमचंद (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of hours**
1	• उपन्यास – सेवा सदन	20
2	• नाटक – कर्बला	15
3	• निबंध – साहित्य का उद्देश्य	05
4	• कहानियाँ – पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी,पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा	20
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें:

1. कलम का सिपाही : अमृत राय
2. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
3. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
4. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र : नंदकिशोर नवल
5. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी उपन्यास : सीताराम झा श्याम
6. प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन : नन्द दुलारे वाजपेयी
7. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश
8. अधूरे साक्षात्कार : नेमीचंद जैन
9. कथा समय : विजय मोहन सिंह
10. प्रेमचन्द और भारतीय समाज : नामवर सिंह

DSE8 :फणीश्वर नाथ रेणु

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: फणीश्वरनाथ रेणु का हिन्दी गद्य, विशेषतः कथा साहित्य के अनूठे कलाकार के रूप में परिचय प्राप्त करेंगे
CO2: उनके उपन्यास और कहानी से तत्कालीन ग्रामीण समाज के सर्वांगपूर्ण समझ विकसित होगी
CO3: रेणु ने रिपोर्ताज विधा को कैसे समृद्ध किया, इसे समझ सकेंगे

CO4: हिन्दी कथा साहित्य के भीतर रेणु के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे

DSE8 :फणीश्वर नाथ रेणु (Theory: 06 Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of hours**
1	• उपन्यास – कितने चौराहे	15
2	• उपन्यास – जुलूस	15
3	• कहानियाँ – ठेस, पंचलैट, लाल पान की बेगम, संवदिया, रसप्रिया, एक आदिम रात्रि की महक, सिरपंचमी का सगुन, पहलवान की ढोलक, रसुल मिस्तरी, लफड़ा	20
4	• रिपोर्ताज – ऋणजल धनजल (प्रारंभिक पाँच पाठ)	10
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें:

1. फणीश्वरनाथ रेणु : सृजन और संदर्भ : अशोक कुमार आलोक, आधार प्रकाशन
2. फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों में आंचलिकता : एच. सहदेव कांबले, अमन प्रकाशन
3. फणीश्वरनाथ रेणु : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. हरिशंकर दुबे, विकास प्रकाशन
4. फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आंचल : गोपाल राय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
5. फणीश्वरनाथ रेणु का कथा शिल्प : डॉ. रेणु साह, राजस्थानी ग्रंथागार
6. कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु : डॉ. चन्द्रभानु सोनवणे, पंचशील प्रकाशन
7. फणीश्वरनाथ रेणु की उपन्यास कला : कुसुम सोफ्ट, वसुमति प्रकाशन

DSE9 :रामधारी सिंह दिनकर

Course Outcomes

After the completion of the course, the student will be able to:

CO1: हिन्दी कविता की राष्ट्रीय काव्यधारा के सर्वाधिक सशक्त लोकप्रिय कवि के रूप में दिनकर के महत्त्व को समझ सकेंगे
CO2: सामाजिक विषमता, धर्मांधता के विरूद्ध दिनकर के काव्यात्मक उद्‌गारों को उचित संदर्भ में समझ सकेंगे
CO3: दिनकर रचित गद्य साहित्य के महत्त्व से परिचित होंगे
CO4: दिनकर साहित्य से आपकी राष्ट्रीय–सामाजिक चेतना का उन्नयन होगा

DSE9 :रामधारी सिंह दिनकर (Theory: 06Credits)		
Unit	**Topics to be covered**	**No. of hours**
1	• काव्य – 'बापू' : बापू, वज्रपात, अघटन घटना क्या समाधान	15
2	• काव्य – रश्मिरथी : खंडकाव्य (दूसरा सर्ग)	15
3	• निबंध – मिट्टी की ओर (शुरू के छह निबंध)	15
4	• संस्मरण और श्रद्धांजलियाँ (शुरू के छह पाठ)	15
	TOTAL	**60**

सहायक पुस्तकें:

1. दिनकर रचनावली (14 खंड) : सं. नन्दकिशोर नवल, तरुण कुमार, राजकमल प्रकाशन
2. दिनकर : सृष्टि और दृष्टि : गोपाल कृष्ण कौल, वातायन प्रकाशन
3. रामधारी सिंह 'दिनकर' : मनमथनाथ गुप्त, राजपाल प्रकाशन
4. दिनकर : व्यक्तित्व और कृतित्व : जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रवीण प्रकाशन
5. महाकवि दिनकर : उर्वसी तथा अन्य कृतियाँ : विमल कुमार जैन
6. राष्ट्रकवि दिनकर और उनकी साहित्य साधना : प्रतापचन्द्र जैसवाल
7. दिनकर की काव्य साधना : नेमिचन्द्र भावुक
8. जनकवि दिनकर : सत्यकाम वर्मा, भारतीय प्रकाशन
9. दिनकर के काव्य में जीवन दर्शन : विनोद बाला शर्मा, सामयिक प्रकाशन

10. दिनकर की काव्य–साधना : मुरलीधर श्रीवास्तव, अजंता प्रेस
11. दिनकर एक पुनर्मूल्यांकन : विजयेन्द्र नारायण सिंह, परिमल प्रकाशन